एक्सआईएसएस के छात्र स्लम एरिया में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण पर करेंगे काम

सिटी रिपोर्टर. रांची

एक्सआईएसएस रांची और वर्ल्ड विजन इंडिया (डब्ल्यूवीआई), रांची ने छात्रों के सामुदायिक जुड़ाव के क्षेत्रों में सहयोग लिए एक वर्ष की साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इसमें शहर की 10 सामुदायिक स्लम बस्तियों में संस्थान के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के छात्र काम करेंगे। इन समुदायों में स्वयंसेवक, छात्रों को विशेष रूप से समुदाय आधारित संगठन (एसडीसी) और संगठन द्वारा गठित बच्चों के समूहों से परिचित कराने के लिए सहायता देंगे। इसके तहत पोस्ट ग्रेजुएट रूरल मैनेजमेंट कोर्स करने वाले छात्र अपने दोपहर के सत्र में डब्ल्यूवीआई रांची अर्बन में स्लम एरिया में फील्ड वर्क करेंगे, जो उनके पाठ्यक्रम का एक भाग है। 10 स्लम में कुसई, मधुकम, हातमा, लोवाडीह, डिबडीह, बड़ा घाघरा, महादेव टोला, लोहराकोचा, महुवाटोली और सामलौंग शामिल हैं। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसेफ मारियानुस कुजूर, कार्यक्रम अधिकारी डब्ल्यूवीआई शिल्पी मुंडा, प्रमुख ग्रामीण प्रबंधन डॉ. हिमाद्री सिन्हा, डॉ. संजय वर्मा, रेखा पूर्णिमा खलखो आदि एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित रहे। डॉ. कुजूर ने कहा कि मुझे यकीन है कि स्टूडेंट्स के क्षितिज का विस्तार होगा, क्योंकि वे पेशेवर दुनिया में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस साझेदारी से छात्रों को उनके व्यावहारिक कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में काफी फायदा होगा।

PRESS – DAINIK BHASKAR

एक्सआइएसएस व वर्ल्ड विजन इंडिया मिल कर स्लम बस्तियों में करेंगे काम, एमओयू

रांची. एक्सआइएसएस और वर्ल्ड विजन इंडिया ने एक्सआइएसएस के छात्रों के सामुदायिक जुड़ाव में सहयोग के लिए एक वर्ष (फरवरी 2022-अप्रैल 2023) के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किया है. इसके तहत संस्थान के रूरल मैनेजमेंट प्रोग्राम के विद्यार्थी शहर की 10 स्लम बस्तियों में काम करेंगे. इनमें कुसई, मधुकम, हातमा, लोवाडीह, डिबडीह, बड़ा घाघरा, महादेव टोला, लोहराकोचा, महुवाटोली और सामलौंग के स्लम शामिल हैं. वर्ल्ड विजन विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री प्रदान करेगा. वहीं, एक्सआइएसएस द्वारा बालवाड़ी बच्चों के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था की जाएगी. इस अवसर पर एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर ने कहा कि यह सहयोग संस्थान के विजन और मिशन के अनुरूप है. वर्ल्ड विजन इंडिया की वरिष्ठ प्रबंधक रेखा पूर्णिमा खलखो ने कहा कि हमने 2019 में अर्बन फील्ड वर्क में एक्सआइएसएस के साथ सहयोग किया था और विद्यार्थियों द्वारा किये गये कार्यों से उन स्लम में काफी बदलाव देखे गये. डॉ हिमाद्री सिन्हा ने एमओयू के उद्देश्य को साझा किया. इस मौके पर वर्ल्ड विजन इंडिया की कार्यक्रम अधिकारी शिल्पी मुंडा, सहायक प्राध्यापक डॉ संजय वर्मा, उपस्थित थे.

PRESS – PRABHAT KHABAR

एक्सआईएसएस और वर्ल्ड विजन के बीच एमओयू

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) और वर्ल्ड विजन इंडिया ने छात्रों के सामुदायिक जुड़ाव के क्षेत्रों में सहयोग के लिए सोमवार को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इसके अंतर्गत शहर की 10 सामुदायिक स्लम बस्तियों में संस्थान के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के तहत छात्र काम करेंगे। इन समुदायों में स्वयंसेवक, छात्रों को विशेष रूप से एसडीसी और संगठन की ओर से गठित बच्चों के समूहों से परिचित कराने के लिए सहायता देंगे। मौके पर डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर, एसजे, शिल्पी मुंडा, डॉ हिमाद्री सिन्हा, डॉ संजय वर्मा, रेखा पूर्णिमा मौजूद थे।

PRESS – HINDUSTAN

स्लम बस्तियों में काम करेंगे एक्सआइएसएस के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के विद्यार्थी

जासं, राची : छात्रों के सामुदायिक जुड़ाव के क्षेत्र में सहयोग लिए एक वर्ष की साझेदारी के तहत जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआइएसएस), रांची और और वर्ल्ड विजन इंडिया (डब्ल्यूवीआइ), रांची ने सोमवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत संस्थान के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के छात्र अपने दोपहर के सत्र में शहर की 10 सामुदायिक स्लम बस्तियों में काम करेंगे, जो उनके पाठ्यक्रम में शामिल है। ये 10 स्लम एरिया कुसाई, मधुकम, हटमा, लोवाडीह, डिबडीह, बड़ा घाघरा, महादेव टोला, लोहराकोचा, महुवाटोली और सामलोंग हैं। एक्सआइएसएस के निदेशक डा. जोसेफ मारियानुस कुजूर ने कहा कि हम डब्ल्यूवीआइ के साथ हुए इस साझेदारी से उत्साहित हैं, जो संस्थान के विजन और मिशन के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि समुदाय आधारित संगठनों, बाल संरक्षण पर उन्मुखीकरण व अन्य कारक इस एमओयू के कुछ महत्वपूर्ण बिंदु हैं, जिनसे हमारे छात्र लाभान्वित होंगे। इस साझेदारी से छात्रों को उनके व्यावहारिक कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी।

वहीं, डा. हिमाद्री सिन्हा ने एमओयू के उद्देश्य को साझा करते हुए कहा कि मुख्य रूप से यह पाठ्यक्रम छात्रों को उनकी क्षमता का निर्माण करने के लिए लाभकारी साबित होगा। वे शहर की 10 स्लम में काम करेंगे और जब वे पेशेवर दुनिया में कदम रखेंगे तो यह अनुभव उनके बहुत काम आएगा। उन्होंने बताया कि साझेदारी के तहत उन्हें बेसलाइन और इनलाइन सर्वेक्षण और कार्यान्वयन तकनीक भी सिखाई जाएगी। इस दौरान रेखा पूर्णिमा खलको ने कहा कि हमने 2019 में अर्बन फील्ड वर्क में एक्सआइएसएस के साथ सहयोग किया था और छात्रों द्वारा किए गए कार्यों से उन स्लम में बहुत बदलाव देखे गए थे। बताया गया कि फील्डवर्क के दौरान डब्ल्यूवीआइ छात्रों को शिक्षण सामग्री व आइईसी सामग्री प्रदान करेगा। वहीं, छात्रों को सामुदायिक प्रोफाइल, परिवारों के दौरे और समुदाय आधारित संगठनों के साथ बातचीत पर भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

करार के दौरान एक्सआइएसएस के निदेशक डा. जोसेफ मारियानुस कुजूर, डब्ल्यूवीआइ की कार्यक्रम अधिकारी शिल्पी मुंडा, प्रोफेसर सह प्रमुख, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम डा. हिमाद्री सिन्हा, सहायक प्रोफेसर डा. संजय वर्मा, डब्ल्यूवीआइ की वरिष्ठ प्रबंधक कार्यक्रम (निगरानी) रेखा पूर्णिमा खलको उपस्थित थे।

एक्सआइएसएस और वर्ल्ड विजन इंडिया ने 10 शहरी स्लम में छात्रों की सामुदायिक भागीदारी के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया ● जागरण

योजना

- **एक्सआइएसएस और और डब्ल्यूवीआइ के बीच हुआ करार**
- **ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में शामिल है स्लम में फील्ड वर्क**

PRESS – DAINIK JAGRAN

XISS, World Vision India sign MoU

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, and World Vision India (WVI), Ranchi, have signed an MoU (Memorandum of Understanding) for a partnership of one year (February 2022-April 2023) for community engagement of students from the Rural Management Programme in 10 community slums of the city. In these communities, volunteers will extend their suppot to the student to introduce them to the communities, especially Community based organization (SDC) and children Groups formed by the organization.Under this partnership, students pursuing the Post Graduate Rural Management Course will devote their afternoon session in 10 communities of WVI AP Ranchi Urban for Urban Field Work (UFW) in 1st, 2nd and 3rd Trimester which is essential requirement of the course. These 10 Slums are Kusai, Madhukam, Hatma, Lowadih, Dibadhi, Bada Ghagra, Mahadev tola, Lohrakocha, Mahuwatoli and Samlong.

PRESS – PIONEER

एक्सआईएसएस और वर्ल्ड विजन इंडिया 10 शहरी स्लम में छात्रों की सामुदायिक भागीदारी के लिए समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची और और वर्ल्ड विजन इंडिया (डब्ल्यूवीआई), रांची ने छात्रों के सामुदायिक जुड़ाव के क्षेत्रों में सहयोग लिए एक वर्ष (फरवरी 2022-अप्रैल 2023) की साझेदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इसके अंतर्गत शहर की 10 सामुदायिक स्लम बस्तियों में संस्थान के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के छात्र काम करेंगे। इन समुदायों में स्वयंसेवक, छात्रों को विशेष रूप से समुदाय आधारित संगठन (एसडीसी) और संगठन द्वारा गठित बच्चों के समूहों से परिचित कराने के लिए सहायता देंगे। इस साझेदारी के तहत, पोस्ट ग्रेजुएट रूरल मैनेजमेंट कोर्स करने वाले छात्र अपने दोपहर के सत्र में डब्ल्यूवीआई रांची अर्बन में 10 समुदायों के बीच फील्ड वर्क समर्पित करेंगे, जो कि उनके पाठ्यक्रम की एक आवश्यकता है। ये 10 स्लम कुसाई, मधुकम, हटमा, लोवाडीह, डिबडीह, बड़ा घाघरा, महादेव टोला, लोहराकोचा, महूवाटोली और सामलोंग हैं। डब्ल्यूवीआई छात्रों को शिक्षण सामग्री/आईईसी सामग्री प्रदान करेगा जब वे समुदाय के साथ जुड़ेंगे और साथ में फील्डवर्क के दौरान अपने शब्दों और कार्यों से बच्चों, समुदायों और स्वयंसेवकों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध भी बनाएँगे। प्री-स्कूल चिल्ड्रेन (बालवाड़ी) के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था एक्सआईएसएस द्वारा सुगम की जाएगी जो एरिया प्रोग्राम (एपी)

का प्राथमिक हस्तक्षेप क्षेत्र भी होगा और एक्सआईएसएस द्वारा एक बाल संरक्षण नीति पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। छात्रों को सामुदायिक प्रोफाइल, परिवारों के दौरे और समुदाय आधारित संगठनों (स्लम विकास समिति, बाल संरक्षण इकाई, चिल्ड्रन क्लब) के साथ बातचीत पर भी प्रशिक्षित किया जाएगा। बाल संरक्षण, वकालत, जल स्वच्छता और स्वच्छता (वॉश), आजीविका हस्तक्षेप, सरकारी योजना के साथ जुड़ाव और मातृ एवं बाल स्वास्थ्य पोषण के हस्तक्षेप पर उन्मुखीकरण भी इस समझौता ज्ञापन का एक अन्य महत्वपूर्ण कारक है। छात्र महत्वपूर्ण परिवर्तन की कहानियों को सुनिश्चित करेंगे, विकलांग लोगों और विकलांग बच्चों को सरकारी अस्पताल में लाएंगे और मासिक आधार पर प्रगति रिपोर्ट जमा करेंगे और डब्ल्यूवीआई द्वारा आयोजित अभियानों में भी भाग लेंगे और समर्थन करेंगे। डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस, रांची; सुश्री शिल्पी मुंडा, कार्यक्रम अधिकारी, डब्ल्यूवीआई, क्षेत्रीय कार्यक्रम रांची शहरी; डॉ हिमाद्री सिन्हा, प्रोफेसर और प्रमुख, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम, एक्सआईएसएस; डॉ संजय वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एक्सआईएसएस और सुश्री रेखा पूर्णिमा खल्खो, वरिष्ठ प्रबंधक कार्यक्रम, निगरानी, डब्ल्यूवीआई एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित थे। डॉ. कुजूर, निदेशक, एक्सआईएसएस ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान कहा, एक्सआईएसएस डब्ल्यूवीआई के साथ इस सहयोग पर अपने पाठ्यक्रम के तहत उर्बन फील्ड वर्क में छात्रों की भागीदारी को प्रभावी ढंग से बढ़ाने की दृष्टि से उत्साहित है जो संस्थान के विजन और मिशन के अनुरूप है। समुदाय आधारित संगठनों, बाल संरक्षण पर उन्मुखीकरण, उसकी वकालत और अन्य कारक इस एमओयू के कुछ महत्वपूर्ण बिंदु हैं जहां हमारे छात्र डब्ल्यूवीआई से लाभान्वित होंगे। मुझे यकीन है कि उनके क्षितिज का विस्तार होगा क्योंकि वे पेशेवर दुनिया में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस साझेदारी से छात्रों को उनके व्यावहारिक कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में काफी फायदा होगा।

PRESS - FREEDOM FIGHTER

एक्सआईएसएस और वर्ल्ड विजन इंडिया 10 शहरी -स्लम मेंछात्रों की सामुदायिक भागीदारी के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

21/02/2022 / Chandan Pathak

Select Language

एक्सआईएसएस और वर्ल्ड विजन इंडिया 10 शहरी -स्लम मेंछात्रों की सामुदायिक भागीदारी के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

ज़ेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांचीऔर और वर्ल्ड विजन इंडिया (डब्ल्यूवीआई), रांची ने छात्रों के सामुदायिक जुड़ाव के क्षेत्रों में सहयोग लिए एक वर्ष (फरवरी 2022-अप्रैल 2023) की साझेदारी के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। इसके अंतर्गत शहर की 10 सामुदायिक स्लम बस्तियों में संस्थान के ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम के छात्र काम करेंगे। इन समुदायों में स्वयंसेवक, छात्रों को विशेष रूप से समुदाय आधारित संगठन (एसडीसी) और संगठन द्वारा गठित बच्चों के समूहों से परिचित कराने के लिए सहायता देंगे।

इस साझेदारी के तहत, पोस्ट ग्रेजुएट रूरल मैनेजमेंट कोर्स करने वाले छात्र अपने दोपहर के सत्र में डब्ल्यूवीआईरांची अर्बन में 10 समुदायों के बीच फील्ड वर्क समर्पित करेंगे, जो कि उनके पाठ्यक्रम की एक आवश्यकता है। ये 10स्लम कुसाई, मधुकम, हटमा, लोवाडीह, डिबडीह, बड़ा घाघरा, महादेव टोला, लोहराकोचा, महुवाटोली और सामलोंग हैं।

डब्ल्यूवी आई छात्रों को शिक्षण सामग्री/आईईसी सामग्री प्रदान करेगा जब वे समुदाय के साथ जुड़ेंगे और साथ में फील्डवर्क के दौरान अपने शब्दों और कार्यों से बच्चों, समुदायों और स्वयंसेवकों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध भी बनाएँगे। प्री-स्कूल चिल्ड्रेन (बालवाड़ी) के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था एक्सआईएसएस द्वारा सुगम की जाएगी जो एरिया प्रोग्राम (एपी) का प्राथमिक हस्तक्षेप क्षेत्र भी होगा और एक्सआईएसएस द्वारा एक बाल संरक्षण नीति पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। छात्रों को सामुदायिक प्रोफ़ाइल, परिवारों के दौरे और समुदाय आधारित संगठनों (स्लम विकास समिति, बाल संरक्षण इकाई, चिल्ड्रन क्लब) के साथ बातचीत पर भी प्रशिक्षित किया जाएगा। बाल संरक्षण, वकालत, जल स्वच्छता और स्वच्छता (वॉश), आजीविका हस्तक्षेप, सरकारी योजना के साथ जुड़ाव और मातृ एवं बाल स्वास्थ्य पोषण के हस्तक्षेप पर उन्मुखीकरण भी इस समझौता ज्ञापन का एक अन्य महत्वपूर्ण कारक है। छात्र महत्वपूर्ण परिवर्तन की कहानियों को सुनिश्चित करेंगे, विकलांग लोगों और विकलांग बच्चों को सरकारी अस्पताल में लाएंगे और मासिक आधार पर प्रगति रिपोर्ट जमा करेंगे और डब्ल्यूवीआई द्वारा आयोजित अभियानों में भी भाग लेंगे और समर्थन करेंगे।

डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एस जे, निदेशक, एक्सआईएसएस, रांची; सुश्री शिल्पी मुंडा, कार्यक्रम अधिकारी, डब्ल्यूवीआई, क्षेत्रीय कार्यक्रम रांची शहरी; डॉ हिमाद्री सिन्हा, प्रोफेसर और प्रमुख, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम, एक्सआईएसएस; डॉ संजय वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एक्सआईएसएस और सुश्री रेखा पूर्णिमा खल्को, वरिष्ठ प्रबंधक कार्यक्रम, निगरानी, डब्ल्यूवीआई एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित थे।

डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एस जे, निदेशक, एक्सआईएसएस, रांची; सुश्री शिल्पी मुंडा, कार्यक्रम अधिकारी, डब्ल्यूवीआई, क्षेत्रीय कार्यक्रम रांची शहरी; डॉ हिमाद्री सिन्हा, प्रोफेसर और प्रमुख, ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम, एक्सआईएसएस; डॉ संजय वर्मा, सहायक प्रोफेसर, एक्सआईएसएस और सुश्री रेखा पूर्णिमा खल्को, वरिष्ठ प्रबंधक कार्यक्रम, निगरानी, डब्ल्यूवीआई एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित थे।

डॉ कुजूर, निदेशक, एक्सआईएसएसने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान कहा, "एक्सआईएसएसडब्ल्यूवीआईके साथ इस सहयोग पर अपने पाठ्यक्रम के तहत उर्बन फील्ड वर्क में छात्रों की भागीदारी को प्रभावी ढंग से बढ़ाने की दृष्टि से उत्साहित है जो संस्थान के विजन और मिशन के अनुरूप है। समुदाय आधारित संगठनों, बाल संरक्षण पर उन्मुखीकरण, उसकी वकालत और अन्य कारक इस एमओयूके कुछ महत्वपूर्ण बिंदु हैं जहां हमारे छात्र डब्ल्यूवीआई से लाभान्वित होंगे। मुझे यकीन है कि उनके क्षितिज का विस्तार होगा क्योंकि वे पेशेवर दुनिया में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं । मुझे उम्मीद है कि इस साझेदारी से छात्रों को उनके व्यावहारिक कौशल और ज्ञान को बढ़ाने में काफी फायदा होगा।"

डॉ हिमाद्री सिन्हा ने एमओयू के उद्देश्य को साझा किया और कहा कि यह मुख्य रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को उनकी क्षमता का निर्माण करने के लिए लाभकारी साबित होगा। वे शहर की 10स्लम में काम करेंगे और जब वे पेशेवर दुनिया में कदम रखेंगे तो यह अनुभव उनके बहुत काम आएगा। साझेदारी के तहत उन्हें बेसलाइन और इनलाइन सर्वेक्षण और कार्यान्वयन तकनीक भी सिखाई जाएगी।

सुश्री रेखा पूर्णिमा खल्को, वरिष्ठ प्रबंधक कार्यक्रम, निगरानी, डब्ल्यूवीआईने कहा, "हमने 2019 में अर्बन फील्ड वर्क में एक्सआईएसएसके साथ सहयोग किया था और छात्रों द्वारा किए गए कार्यों से उन स्लम में बहुत बदलाव देखे गए थे। डब्ल्यूवीआईऐसे संस्थान से जुड़कर, जिनके फ़ैकल्टी मजबूत तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करते है, वास्तव में बहुत मददगार होगा।"

PRESS – CURRENT KHABAR